



राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक 2021-22 में राजस्थान सबसे आगे की श्रेणी में शामिल

चर्चा में क्यों?

10 अप्रैल, 2023 को केंद्रीय वदियुत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर. के.सहि ने नई दलिली में राज्यों और राज्य उपयोगिता कंपनियों की आरपीएम (समीक्षा, योजना और नगिरानी) बैठक के दौरान राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक (एसईआई) 2021-22 की रपौरट जारी की, जसमें राजस्थान चार अन्य राज्यों सहति सबसे आगे की श्रेणी (>60 अंक) में शामिल है।

परमुख बदि

- ऊर्जा-कुशल अर्थव्यवस्था गठबंधन (ईईई) के सहयोग से, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) द्वारा वकिसति इस सूचकांक में वतितिय वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिये ऊर्जा दक्षता कार्यान्वयन में राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों की वार्षिकि प्रगति का आकलन कया गया है।
- एसईआई 2021-22 में राष्ट्रीय प्राथमकित्ताओं के अनुरूप 50 संकेतकों का एक अद्यतन फरेमवर्क है। राज्य स्तरीय ऊर्जा दक्षता पहलों के परणामों और प्रभावों की नगिरानी के लिये इस वर्ष कार्यक्रम-वशिषिट संकेतक शामिल कये गए हैं।
- एसईआई 2021-22 में 5 राज्य - आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, राजस्थान और तेलंगाना-सबसे आगे की श्रेणी (>60 अंक) में हैं, जबकि 4 राज्य - असम, हरयाणा, महाराष्ट्र और पंजाब - उपलब्धि प्राप्त करने वालों की श्रेणी (50-60 अंक) में हैं।
- इसके अलावा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, असम और चंडीगढ़ अपने-अपने राज्य-समूहों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्य हैं।
- तेलंगाना और आंध्र प्रदेश ने पछिले सूचकांक के बाद से सबसे अधिक सुधार दर्ज कये हैं।
- **राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक (एसईआई):**
 - राज्य ऊर्जा दक्षता सूचकांक (एसईआई), राज्यों और भारत के ऊर्जा फुटपरटि के प्रबंधन तथा राज्य और स्थानीय स्तर पर ऊर्जा दक्षता नीतियों और कार्यक्रमों के संचालन की प्रगति की नगिरानी करता है।
 - एसईआई डेटा संग्रह में सुधार करता है, राज्यों के आपसी सहयोग को सक्षम बनाता है और ऊर्जा दक्षता कार्यक्रम के वचारों को वकिसति करता है।
 - यह राज्यों को सुधार के लिये कषेत्रों की पहचान करने, सर्वोत्तम तौर-तरीकों से सीखने और ऊर्जा दक्षता कार्यान्वयन के लिये अर्थव्यवस्था अनुरूप दृष्टिकोण अपनाने में मदद करता है।
 - ऊर्जा दक्षता को प्राथमकित्ता देकर, इसका उद्देश्य कार्बनीकरण में कमी लाने के प्रयासों का संचालन करना और अधिक स्थायी भवषिय हासिल करना है।
 - सूचकांक को ऊर्जा बचत और उत्सर्जन में कमी लाने से जुड़े राज्य के लक्ष्यों की दशा में प्रगति की नगिरानी में मदद करने के लिये डिजाइन कया गया है।
- **ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई):**
 - यह वदियुत मंत्रालय के तहत एक वैधानिक नकिया है जसकी स्थापना भारत सरकार ने ऊर्जा संरक्षण अधनियम, 2001 के प्रावधानों के तहत 1 मार्च, 2002 को की थी।
 - बीईई का मशिन ऊर्जा संरक्षण अधनियम, 2001 के प्रावधानों के अंतर्गत स्व-नयिमन और बाजार सदिधांतों पर ज़ोर देने के साथ नीतियों और रणनीतियों को वकिसति करने में सहायता करना है। इसका प्राथमिक उद्देश्य भारतीय अर्थव्यवस्था की ऊर्जा तीव्रता को कम करना है।
 - ऊर्जा संरक्षण अधनियम के तहत सौपे गए कार्यों को पूरा करने के लिये, बीईई नामति उपभोक्ताओं, नामति एजेंसियों और अन्य संगठनों के साथ समन्वय करता है और मौजूद संसाधनों और अवसंरचनाओं की पहचान करता है, उन्हें मान्यता देता है और उनका उपयोग करता है।
 - ऊर्जा संरक्षण अधनियम, वनियामक और प्रचार कार्यों के लिये कार्यादेश प्रदान करता है।



U

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rajasthan-ranks-1st-in-state-energy-efficiency-index-2021-22>

